सबक़ – 04 सूरह 106 : अल-कुरैश

I. अ़रबी बोल-चाल इन कलमात को कहिये (1) मुशकिल ओक़ात में, (2) किसी को रुख़सत करते वक़्त, सलाम के साथ, (3) क़सम खाते वक़्त (4) क़सम खाते वक़्त

إلاَّ بِاللهِ ،	وَلاَ قُوَّةَ	1: لاَ حَوْلَ
सिवाऐ अल्लाह के	और न कोई कू़वत	नहीं कोई ताक़त
4: وَاللهِ الْعَظِيم	3: وَاللهِ	2: فِي أَمَانِ اللهِ ،
क़सम है अल्लाह की जो अज़ीम है	क़सम है अल्लाह की	अल्लाह की हिफ़ाज़त में

II. ग्रामर TPI के तरीक़े को इसतिमाल करते हुए ग्रामर सीखये (सोचये, देखये, बोलये, बताइये.....)
बराये करम नोट फरमा लें कि मन्दरजा ज़ेल ज़माइर कुरआन पाक में कई हज़ार बार आऐ हैं. चूँकि ये साथ आते हैं इस लिये ये अकेले नहीं किये जा सकते. ये तक़रीबन कु़रआन मजीद की हर लाइन में पाये जाते हैं.

किताब ...	+ كِتَاب	तरीक़ा ज़िन्दगी...	+ دِين	*Revision of the last Session*		**No.**	**Person**
उस की किताब	كِتَابُهُ	उस का मज़हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	دِينُهُ	वे मान्ने वाला है	هُوَ مُؤْمِن	sr.	3rd
उन की किताब	كِتَابُهُمْ	उन का मज़हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	دِينُهُمْ	वे सब मान्ने वाले हैं.	هُمْ مُؤْمِنُون	pl.	
आप की किताब	كِتَابُكَ	आप का मज़हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	دِينُكَ	आप मान्ने वाले हो	أَنْتَ مُؤْمِن	sr.	2nd
आप सब की किताब	كِتَابُكُمْ	आप सब का मज़हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	دِينُكُمْ	आप सब मान्ने वाले हो	أَنْتُمْ مُؤْمِنُون	pl.	
मेरी किताब	كِتَابِي	मेरा मज़हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	دِينِي	मैं मान्ने वाला हूँ	أَنَا مُؤْمِن	sr.	1st
हमारी किताब	كِتَابُنَا	हमारा मज़हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	دِينُنَا	हम सब मान्ने वाले हैं	نَحْنُ مُؤْمِنُون	dl., pl.	

मुअन्नस के लिये هِيَ, دِينُهَا , كِتَابُهَا

3 III. कु़र्आन व हदीस से 3SP के अनदाज़ में पढये ।

1. कु़रेश को मानूस करने के सबब,
2. उन्हें सर्दी और गर्मी के सफ़र से मानूस करने के सबब,
3. पस चाहिए कि वह इबादत करें उस घर के रब की,
4. जिसने उन्हें खाना दिया भूख में, और अमन दिया ख़ौफ़ में.

********************** سورة قريش : بِسْمِ اللهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيمِ **********************

رِحْلَةَ	إِيلَافِهِمْ	قُرَيْش (1)	لِإِيلَافِ
सफ़र	उनको मानूस करना	कुरैश को	मानूस करने के सबब

الْبَيْت (3)	هٰذَا	رَبَّ	فَلْيَعْبُدُوا	وَالصَّيْف (2)	الشِّتَاءِ
घर के	उस	रब की	पस चाहिए वह इबादत करें	और गर्मी	सर्दी

مِّنْ خَوْف (4)	وَّآمَنَهُم	مِّن جُوع	أَطْعَمَهُم	الَّذِي
ख़ौफ़ में	और उनहें अमन दिया	भूख से	उन्हें खाना दिया	जो

होमवर्क सात होमवर्कस को याद रखिये. वर्कशीट को पुर कीजिये, पैग़ाम पर ग़ौर करने और अ़मल करने की मुसलसल कोशिश कीजिये ।

सबक़ - 4: सूरतुल कुरैश

1.अरबी बोल चाल:तर्जुमा कीजिये-

1: لاَ حَوْلَ	وَلاَ قُوَّةَ	إِلاَّ بِاللهِ ،	2: فِي أَمَانِ اللهِ	3: وَاللهِ	4: وَاللهِ الْعَظِيمِ

2. ग्रामर:अरबी अल्फ़ाज़ लिखये-

किताब ... + كِتَاب	तरीक़ा ज़िन्दगी... + دِين	No.	Person
उस की किताब	उस का मज़्हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	*sr.*	*3rd*
उन की किताब	उन का मज़्हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	*pl.*	
आप की किताब	आप का मज़्हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	*sr.*	*2nd*
आप सब की किताब	आप सब का मज़्हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	*pl.*	
मेरी किताब	मेरा मज़्हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	*sr.*	*1st*
हमारी किताब	हमारा मज़्हब, तरीक़ाऐ ज़िन्दगी	*dl., pl.*	

3. कुरआन ओ हदीस से: तर्जुमा कीजिये-

********************* سورة قريش : بِسْمِ اللهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيمِ *********************

لِإِيلاَفِ	قُرَيْشٍ (1)	إِيلاَفِهِمْ	رِحْلَةَ

الشِّتَآءِ	وَالصَّيْفِ (2)	فَلْيَعْبُدُوا	رَبَّ	هٰذَا	الْبَيْتِ (3)

الَّذِي	أَطْعَمَهُم	مِّن جُوعٍ	وَّآمَنَهُم	مِّنْ خَوْفٍ (4)

सबक़ -4 : आज जो सबक़ आप ने सीखा है उस में उन अल्फ़ाज़ को लिखये या निशान्दही कीजिये जिन को आप पहले से जानते हों या पिछले असबाक़ में आप ने सीखा हो या जिन के माद्दे के अल्फ़ाज़ उर्दू या मानूस अरबी अल्फ़ाज़ में भी वही हों ।

अल्फ़ाज़	मानी	माद्दा	मानूस अल्फ़ाज़, तश्रीह, वग़ैरह	अल्फ़ाज़	मानी	माद्दा	मानूस अल्फ़ाज़, तश्रीह, वग़ैरह
أَمَانِ اللهِ	अल्लाह की अमान में	أ م ن	अमानत, अमीन, अमानतदार	فَلْيَعْبُدُوا	पस चाहिये कि इबादत करें	ع ب د	إِيَّاكَ نَعْبُدُ
الْعَظِيم	अज़मत वाला	ع ظ م	عَظَمَة :बड़ाई	بَيْت	घर	-	بَيْتُ اللهِ (काअबा)
لِ	सबब, चूंकि	أ ل ف		الَّذِي	जो - जिस	-	*(जमा)* الَّذِين वह सब जो
إِيْلاَف	मानूस करना	-	उलफ़त	أَطْعَمَهُم	खिलाया उनको	ط ع م	طَعَمَ :उसने खाया; أَطْعَمَ : उसने खिलाया
إِيْلاَفِهِم	उनका मानूस करना	أ ل ف	إِيْلاَف + هُمْ	جُوْعٍ	भूक	ج و ع	ऊपर खाने का ज़िक्र हुआ (भूक के मुक़ाबिले में)
رِحْلَة	सफ़र	ر ح ل	رِحلَة سَعِيدة : (happy journey)	اٰمَنَهُمْ	अम्न दिया उनको	أ م ن	أَمِنَ :अम्न में हुआ; آمَنَ : अम्न दिया, ईमान लाया
شِتَاء	सर्दी	-	सर्दी में shivering होती है (...shi.....ش)	خَوْفٍ	ख़ौफ़	خ و ف	ऊपर अम्न का जिक्र हुआ (ख़ौफ़ के मुक़ाबिले में)
صَيْف	गर्मी	-	सर्दी के बाद गर्मी				